specific measures taken by the Government also include fencing and flood-lighting of selected stretches of the Indo-Pak border, reducing the distance between BOPs, increasing the number of patrols/Nakas, erection of OP Towers, intensification of border patrolling, supply of various equipments for effective observation during day and night, gearing up of intelligence machinery, strengthening of BSF etc.

हिमाचल प्रदेश में आतंक फैलाने में पाकिस्तान की साजिश

1731. **श्री राम नरेश यादव:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को हिमाचल प्रदेश में आतंकवाद फैलाने में पाकिस्तानी साजिश के बारे में जानकारी है, जैसा कि दिनांक 27 नवम्बर, 1993 के "जनसत्ता" में समाचार प्रकाशित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस मामले में अब तक क्या कार्यवाही की है; और

(ग) आतंकवाद से निपटने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) और (ख) सरकार को इस आशय की रिपोर्टों की जानकारी है कि जम्मू क्षेत्र के डोडा जिले में सक्रिय पाक प्रशिक्षित कश्मीरी उग्रवादियों ने हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में छिपने के अड्डे बना लिए हैं। राज्य सरकार को, प्रभावकारी सुरक्षात्मक उपाय करने और आसूचना तंत्र को मजबूत बनाने तथा सीमावर्ती राज्यों की पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाने के लिए, सुग्राही बनाया गया है।

(ग) कानून और व्यवस्था को बनाए रखना, मुख्य रूप से राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। तथापि, आतंकवादियों की गतिविधियों इत्यादि के बारे में उपलब्ध जानकारी केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को उपलब्ध कराई जाती है। आतंकवाद से प्रभावित राज्य/संघ शासित क्षेत्र भी आपस में सूचनाओं का आदान प्रदान करते हैं/बांटते हैं। जब कभी आवश्यकता पड़ती है तो केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को सभी संभव सहायता उपलब्ध कराती है।

कश्मीरी उग्रवादियों का वायरलैस सैट के जरिए मुजफ्फराबाद तथा काबूल में बातचीत करते पकड़ा जाना

1732. **श्री शान्ति त्यागी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले दो महीनों में कश्मीरी उग्रवादी अत्याधुनिक वायरलैस सैटों के जरिए सीमा-पार मुजफ्फराबाद और काबुल में लोगों के साथ बातचीत करते पकड़े गए हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि हाल ही में आई॰एस॰आई॰ ने सोपोर में एक अत्यधिक शक्तिशाली संचार केन्द्र स्थापित किया है जहां से उग्रवादी वायरलैस सैटों के जरिए सांकेतिक भाषा में सीमा-पार के लोगों से बात करते हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस संचार—नेटवर्क को नष्ट करने में सफल रही है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) से (ग) सरकार को जानकारी है कि जम्मू एवं कश्मीर में उग्रवादियों के पास अत्याधुनिक बेतार संचार उपकरण हैं। तथापि, किसी भी उग्रवादी को मुजफ्फराबाद अथवा काबुल को प्रसारण-कार्य करते हुए नहीं पकड़ा गया है। सोपोर में संचार केन्द्र/उपकरणों की प्रकृति के बारे में ठीक-ठीक नहीं बताया जा सकता है। कुपवाड़ा जिले में चलाए गए अभियानों में, अत्याधुनिक विदेशी रेडियो उपकरण वाले एक संचार केन्द्र का पता लगाया गया था। जब भी ऐसे संचार तंत्रों का पता हमारे सुरक्षा बलों द्वारा लगाया जाता है, इन्हें नष्ट कर दिया जाता है। संचार-चैनलों की स्थापना में पाकिस्तान की आई॰एस॰आई॰ का हाथ है, ऐसा पूछताछ से पता चलता है।

Computerisation of Delhi Fire Service

1733. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are planning to computerise its entire fire services network for efficient fire-fighting capabilities and faster functioning of the organisation;

(b) if so, what are details thereof and if not what are the reasons therefor;

(c) whether it is a fact that under the said planning, entire data of capital's localities, building, factories, important Government houses and offices, road communication maps and others will be stored in a personal computer to be used automatically under the command and control system;

(d) if so, what are the details thereof;

(e) whether Japan has offered to computerise the Delhi Fire Service network; and

(f) if so, the details thereof and what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) The Government of National Capital Territory of Delhi has reported that they are planning to computerise its entire fire service network.

(b) the proposal for computerisation of Delhi Fire Service has been included in the Eighth Five Year Plan 1992—97.

(c) and (d) Yes, Sir. All the relevant data will be stored in the main computer.

(e) Yes, Sir. A Japanese firm has made an offer in this regard.

(f) The matter is under consideration of the Government of National Capital Territory of Delhi.

Killings by Bodo Militants

1734. SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of persons killed/injured by Bodo militants in Assam and other States in N.E. Region during the last three years; year-wise;

(b) what possible steps Government have taken to control the situation; and

(c) the compensation paid to the next of kin of those killed and injured so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) The area of operation of the Bodo militants is generally in Assam. The year-wise details of persons killed/injured by them during the last three years are as follows:—

	1991	1992	1993
			(upto 10.12.93)
Persons Killed	82	119	21
Persons Injured	179	47	15

(b) The measures taken include declaring the Bodo Security Force as an Unlawful Association under the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967; counter-insurgency operations by the Security Forces; and encouragement to the activists of this organisation to join the mainstream of the national life provided they eschew violence and abide by the Constitution of India. Certain areas in the North East region also continue to be declared as 'disturbed area' under the Armed Forces (Assam & Manipur) Special Powers Act, 1958 to curb the violent activities of the militant group.

(c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Implementation of Sarkaria Commission Recommendations

1735. SHRI JAGMOHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have taken a final decision on the recommendations of the Sarkaria Commission regarding the appointment, transfer, removal and conditions of service of Governors; if so, what are the details thereof; and

(b) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) and (b) The recommendations of the Sarkaria